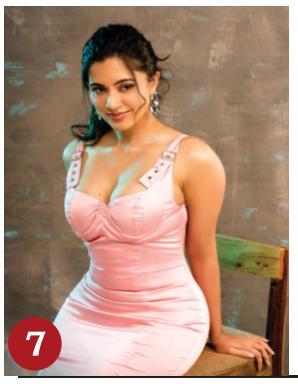

7

दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

3 झमाझम बारिश में सीएम योगी ने की गोसेवा 5 112 द्वितीय 8 सचिन-जाफर समेत इन दिग्गजों ने जताई खुशी

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 01 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 01 जुलाई, 2024

T20 भारत वर्ल्ड चैंपियन

दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराया

20 ओवर में सात विकेट पर 176 रन बनाए

जीत के नायक विराट कोहली ने टी20 क्रिकेट को अलविदा कहा

- भारत ने 17 साल बाद दूसरी बार टी 20 विश्व कप किया अपने नाम
- जब आखिरी छह गेंद में 16 रन चाहिए थे तब सूर्य कुमार ने सीमा पर अद्भुत रिले कैच लपक जीत सुनिश्चित कर दी

जीत की खुशी

ब्रिजटाउन

जीत का जश्न

लखनऊ

ब्रिजटाउन भारत ने 11 साल का इंतजार खत्म करते हुए दक्षिण अफ्रीका को बेहद रोमांचक मैच में सात रन से हराकर टी 20 विश्व कप जीत लिया। पिछले साल 19 नवम्बर को अहमदाबाद में अधूरा रहा सपना आखिरकार वेस्टइंडीज में पूरा हुआ तो रोहित शर्मा की टीम के साथ टीवी के आगे नजरें गड़ाये बैठे भारतीय क्रिकेटप्रेमियों की आंखें भी छलछला गई। इस आईसीसी खिताब के लिए 11 साल लंबा इंतजार था। जीत के नायक रहे विराट कोहली ने इसके साथ ही टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

भारत ने 2007 में पहला टी20 विश्व कप जीता था और आखिरी आईसीसी खिताब 2013 में महेंद्र सिह धोनी की अगुआई में दक्षिण अफ्रीका में चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी। पिछले साल भारत में वनडे विश्व कप फाइनल में टीम आस्ट्रेलिया से हार गई थी। पावरप्ले में मिले शुरुआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को में सात विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिये थे।

जसप्रीत बुमराह

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

मैच	08
विकेट	15
इकोनॉमी	4.1

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात रन से जीत हासिल कर टीम इंडिया ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया। वहीं, 17 साल के बाद भारतीय टीम टी20 चैंपियन बनी है। भारत की जीत में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का किरदार अहम रहा। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया गया। इस विश्व कप में बुमराह ने आठ मैचों में 15 विकेट झटके और कई बार भारत को हारी हुई बाजी जिताई। वहीं, विराट कोहली को प्लेयर ऑफ मैच का पुरुस्कार दिया गया।

बुमराह ने कई मैच अपने दम पर जिताए

टी20 विश्व कप में कई ऐसे मौके आए जब लगा कि टीम इंडिया यह मैच हार जाएगी। तभी बुमराह गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने सामने वाली टीम के जज्बात के साथ–साथ मैच भी पलट दिया। 2022 में बुमराह चोटिल हुए थे और तब यह कहा जा रहा था कि बुमराह कभी वापसी नहीं कर पाएंगे। करीब एक साल बाद बुमराह ने 2023 वनडे विश्व कप से पहले वापसी की। 2023 में वनडे विश्व कप में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद अब बुमराह ने टी20 विश्व कप में भी अपना जलवा बिखेरा।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने बुमराह सबसे ज्यादा विकेट चटकाने के मामले में फजलहक फारूकी से बस तीन विकेट पीछे रह गए। फारूकी और अर्शदीप ने 17–17 विकेट चटकाए। बुमराह 15 विकेट चटकाकर दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्ट्जे के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर रहे, लेकिन जो कारनामा उन्होंने किया, उसका विश्व कप के इतिहास में कोई जोड़ नहीं दिखता।

बुमराह तीन विकेट से चूके

बुमराह ने भारत की टी20 विश्व कप 2024 में खेले आठ मैचों में 29.4 ओवर गेंदबाजी की और 15 विकेट चटकाए, लेकिन जो सबसे बड़ी बात रही, वह उनका इकोनॉमी रेट रहा। उनका इकोनॉमी रेट 4.17 का रहा। कप्तान रोहित ने बुमराह को उस जगह इस्तेमाल किया जहां उन्हें विकेट की सबसे ज्यादा जरूरत थी। यह प्लान कामयाब हुआ। बुमराह का पाकिस्तान के खिलाफ स्पेल कौन भूल सकता है। पाकिस्तान को रन–अ–बॉल की दरकार थी और तभी बुमराह ने रिजवान को आउट कर पाकिस्तान को हारने के लिए मजबूर किया था। इसके बाद अफगानिस्तान, इंग्लैंड और फिर दक्षिण अफ्रीका को भी हारने पर मजबूर किया। बुमराह सिर्फ अमेरिका के खिलाफ मैच में कोई विकेट नहीं ले सके थे। इसके अलावा उन्होंने हर मैच में विकेट निकाला है।

सूर्यकुमार के इस कैच ने पलटा मैच

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत टी20 चैंपियन बन चुका है। शनिवार को बारबाडोस में खेले गए रोमांचक फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हरा दिया। फाइनल मुकाबले में जीत में सूर्यकुमार यादव की भूमिका काफी अहम रही। उन्होंने डेविड मिलर का कैच लेकर पूरे मैच को पलट दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि मैच भारत के हाथ से फिसल जाएगा। दक्षिण अफ्रीका को छह गेंद पर 16 रन बनाने थे। स्ट्राइक पर विस्फोटक डेविड मिलर थे। उन्होंने हार्दिक पांड्या की गेंद को सामने की ओर खेला। ऐसा लगा कि गेंद बाउंड्री के बाहर चली जाएगी, लेकिन सूर्या बीच में आ गए। उन्होंने दो प्रयासों में इस कैच को पूरा किया। सूर्या ने मिलर का कैच लेकर मैच ही पलट दिया। उनके इस कैच को 1983 वनडे विश्व कप कप फाइनल में कपिल देव और 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में श्रीसंत के कैच की याद दिला दी। कपिल देव ने वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स और श्रीसंत ने पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक का कैच लिया था और भारत को विश्व चैंपियन बनाया था। सूर्या के इसी कैच ने भारत की वापसी मैच में करा दी और टीम इंडिया चैंपियन बन गई।कुछ महीने पहले जब हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी गई थी तो फैंस ने इसकी काफी आलोचना की थी। मुंबई के लाइव मैच के दौरान उन्हें फैंस से तीखी टिप्पणी सहनी पड़ी थी। हालांकि, इस पूरे मुश्किल समय में वह मुस्कुराते रहे। अब टी20 विश्व कप में हार्दिक ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। फाइनल में उन्होंने 17वें और 20वें ओवर में गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका के जबड़े से जीत छीनकर टीम इंडिया की झोली में डाला। उन्होंने तीन ओवर में 20 रन दिए और तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके। इनमें क्लासेन और मिलर के विकेट शामिल हैं। टीम इंडिया को जिताने के बाद वह फूट फूटकर रोने लगे। ऐसे में रोहित उनके पास आए और उन्हें चूम लिया। यह पल और फोटो देख फैंस भावुक हो गए।

सम्पादकीय

संसद में आई नयी जान

संविधान का मुद्दा जनता के बीच ले जाने का कितना सकारात्मक असर हुआ है, इस बात को विपक्ष भली-भांति समझता है

संविधान का मुद्दा जनता के बीच ले जाने का कितना सकारात्मक असर हुआ है, इस बात को विपक्ष भली–भांति समझता है, इसलिए संसद के पहले दिन इंडिया गठबंधन के सभी सांसदों के हाथों में संविधान की प्रति थी और सदन में प्रवेश के पहले संविधान दिखाकर विपक्ष ने उद्घोष कर दिया कि इस बार सत्ता का तानाशाही रवैया नहीं चलेगा, प्रधानमंत्री और उनकी सरकार को संविधान के अनुरूप ही कार्य करना पड़ेगा। 18वींलोकसभा के लिए हुए चुनाव, 4 जून को आए चुनाव परिणाम और फिर 24 जून से शुरु हुए संसद के विशेष सत्र में जिस तरह के नजारे देखने मिल रहे हैं, उन्हें देखकर कहा जा सकता है कि भारत के लोकतंत्र में नयी जान फूंक दी गई है और वो भी संविधान के मंत्र को पढ़कर। पाठक जानते हैं कि इन चुनावों में संयुक्त विपक्ष ने संविधान बचाने को मुख्य मुद्दा बनाया और भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद इस मुद्दे को नहीं छोड़ा। भाजपा के स्टार प्रचारक के तौर पर नरेन्द्र मोदी ने मुस्लिम लीग, मंगलसूत्र, भैंस, नल की टोंटी, सावन में मटन और मछली जैसी सारी बातें कीं, लेकिन जनता से जुड़े बुनियादी मुद्दों पर बात नहीं की। जब उन्हें लगा कि संविधान के नाम पर विपक्ष जनता के बीच बढ़त बना रहा है तो उन्होंने जुबानी जमाखर्च की तरह कह दिया कि संविधान को खुद बाबा साहेब भी खत्म नहीं कर सकते। लेकिन न उनके, न किसी और भाजपा नेता के चुनाव प्रचार में संविधान को सर्वोपरि रखने का भाव नजर आया। नतीजा यह हुआ कि इस बार विपक्ष को बड़ी जीत हासिल हुई। जिस विपक्ष को पिछले 10 सालों में सदन में एकदम उपेक्षित और काफी हद तक प्रताड़ित महसूस होता था, वह विपक्ष इस बार नयी उर्जा और ऊष्मा के साथ सदन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

संविधान का मुद्दा जनता के बीच ले जाने का कितना सकारात्मक असर हुआ है, इस बात को विपक्ष भली–भांति समझता है, इसलिए संसद के पहले दिन इंडिया गठबंधन के सभी सांसदों के हाथों में संविधान की प्रति थी और सदन में प्रवेश के पहले संविधान दिखाकर विपक्ष ने उद्घोष कर दिया कि इस बार सत्ता का तानाशाही रवैया नहीं चलेगा, प्रधानमंत्री और उनकी सरकार को संविधान के अनुरूप ही कार्य करना पड़ेगा। नरेन्द्र मोदी को भी संविधान की इस ताकत का अहसास है, इसलिए इस बार जब उन्हें प्रधानमंत्री पद के लिए एनडीए की ओर से चुना जा रहा था तो इसके पहले उन्होंने संसद में रखी संविधान की प्रति को सिर माथे से लगाया। हालांकि जब 24 जून को श्री मोदी सांसद की शपथ ले रहे थे तो उसी दौरान राहुल गांधी, अखिलेश यादव जैसे कई सांसदों ने पहली पंक्ति में बैठकर संविधान की प्रति उन्हें दिखाई और तब श्री मोदी थोड़े से विचलित नजर आए। दरअसल विपक्ष ने यह स्पष्ट संदेश दे दिया है कि अब वो सदन में संविधान के उसूलों से भटककर कार्य करने की मोहलत सरकार को नहीं देगा। शायद नरेन्द्र मोदी के परेशान दिखने की यही वजह हो।

बहरहाल, 18वीं लोकसभा के संसद के इस विशेष सत्र को इसलिए भी बरसों–बरस याद रखा जाएगा, कि किस तरह सांसदों ने अलग–अलग अंदाज में शपथ ग्रहण की। संसद में इससे पहले कभी कोई सांसद साइकिल या बैलगाड़ी में पहुंचा या किसी ने पारंपरिक वेशभूषा धारण की, तो उसी की चर्चा हो जाया करती थी। लेकिन किस सांसद ने किस अंदाज में शपथ ली, इस पर शायद ही किसी का ध्यान गया हो। अब तक अमूमन सभी सांसद एक ही तरह से शपथ लेते आए हैं, बस भाषा या शैली का थोड़ा फेरबदल हो जाया करता था। इस बार संसद की यह परिपाटी भी बदल गई। नरेन्द्र मोदी को विपक्षी सांसदों ने उनके शपथग्रहण के दौरान संविधान की प्रति दिखाई, तो वहीं असम के धुबरी से रिकार्ड 10 लाख मतों से जीत हासिल करने वाले कांग्रेस सांसद रकीबुल हसन ने संविधान की प्रति हाथ में लेकर शपथ ली। इसके बाद और भी सांसदों ने ऐसा ही किया। इसके साथ ही इस बार विभिन्न सांसदों ने शपथ लेने के बाद जो नारे लगाए, वो भी दिलचस्प रहे। इमरान मसूद ने शपथ लेने के बाद जय हिंद, जय भीम कहा, उनके बाद सपा के कई सांसदों ने ऐसा ही किया और समाजवाद जिंदाबाद, पीडीए जिंदाबाद कहा। फैजाबाद से जीते अवधेश पासी न केवल पहली बेंच पर राहुल गांधी और अखिलेश यादव के साथ बैठे, बल्कि उन्होंने शपथ लेने के बाद समाजवाद, अखिलेश यादव और मुलायम सिंह यादव सभी के लिए जिंदाबाद कहा। महुआ मोईत्रा जब शपथ लेने आई तो सदन में उनके समर्थन में नारे लगने लगे, जो विपक्ष की ओर से सरकार को इस बात का जवाब था कि पिछली लोकसभा में जिस तरह अडानी पर तीखे सवाल दागने वाली महुआ मोईत्रा की संसद सदस्यता छीन ली गई थी, वैसा अब नहीं हो पाएगा। जनता ने महुआ मोईत्रा को जिताकर भाजपा को गलत साबित कर दिया है। राहुल गांधी ने जब शपथ ली तो उस दौरान सदन में भारत जोड़ो के नारे लगते रहे। राहुल गांधी के हाथ में भी संविधान की लाल कवर वाली प्रति थी। वहीं अखिलेश यादव ने संविधान की नीले कवर वाली प्रति हाथ में रखी थी। जब सपा सांसद जितेंद्र दोहरे शपथ लेने गए तो उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव दोनों से उनकी संविधान की प्रतियां लीं। अमेठी से स्मृति ईरानी को हराकर कांग्रेस की जीत दर्ज कराने वाले सांसद किशोर लाल शर्मा जब शपथ लेने उठे तो सदन में खुशी का शोर साफ सुनाई दे रहा था।

पहली बार सांसद चुने गए दलित नेता चंद्रशेखर आजाद बाबा साहेब की याद दिलाते हुए नीले रंग के बंद गले के सूट में शपथ लेने पहुंचे और इस दौरान उन्होंने डा.अंबेडकर की तस्वीर वाली संविधान की किताब हाथ में रखी थी। नमो बुद्धाय, जय भीम, जय भारत, जय संविधान, जय मंडल, भारतीय लोकतंत्र जिंदाबाद के नारों के साथ उन्होंने शपथ ली और सत्ता पक्ष की ओर से किसी ने उन्हें टोका कि अब क्या भाषण देंगे तो उन्होंने कहा बिल्कुल देंगे, इसलिए तो यहां आए हैं। भाजपा सांसद और शिक्षा मंत्री धर्मेन्द प्रधान जब शपथ लेने उठे तो विपक्ष ने नीट–नीट का शोर किया। इधर पूर्णिया से निर्दलीय चुने गए सांसद पप्पू यादव का भी अलहदा अंदाज नजर आया। उन्होंने री नीट लिखी हुई टी शर्ट पहनी थी। संदेश बिल्कुल साफ था कि नीट परीक्षा में धांधली के कारण छात्रों के साथ जो नाइंसाफी हुई है, उसका जवाब सरकार को देना होगा और नीट की परीक्षा फिर से करवानी होगी। पप्पू यादव ने शपथ के बाद बिहार को विशेष राज्य का दर्जा, सीमांचल जिंदाबाद और मानवता जिंदाबाद के साथ संविधान जिंदाबाद के नारे लगाए। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि मेहताब उन्हें जल्दी खत्म करने का आग्रह करते दिखे और इस दौरान सत्तापक्ष से संभवतः किरण रिजिजू ने उन्हें टोका तो पप्पू यादव थोड़ा तमक कर बोल पड़े कि आप हमको सिखाइयेगा.. और आप कृपा पर जीते हैं। मैं अकेला लड़ता हूं। चौथी बार निर्दलीय चुना गया हूं तो मुझे न बताएं।

एआईएमआईएम के मुखिया और सांसद असद्दुदीन ओवैसी ने संविधान के साथ–साथ फिलीस्तीन के लिए भी जिंदाबाद कहा, जिस पर अब चर्चा चल रही है कि ऐसा करना ठीक था या नहीं। टीएमसी सांसद युसूफ पठान ने गुजरात और बांग्ला की जयकार की, क्योंकि वे मूलतः गुजरात से हैं और अब प.बंगाल से सांसद हैं। विपक्ष के कई सांसदों ने अपनी शपथ के बाद संविधान के साथ–साथ जय हिंद भी कहा। वहीं भाजपा के सांसदों में बरेली के छत्रपाल सिंह गंगवार ने जय हिंदू राष्ट्र के साथ अपनी शपथ को खत्म किया। गाजियाबाद के सांसद अतुल गर्ग ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी बाजपेयी और नरेन्द्र मोदी के जिंदाबाद के नारे लगाए और जब इस पर विपक्ष ने शोर किया तो पलट कर आए और फिर डा.हेडगेवार जिंदाबाद का नारा भी लगाया। भाजपा सहयोगी अपना दल की सांसद अनुप्रिया पटेल ने जब शपथ ग्रहण के दौरान विपक्ष की ओर से मचाए जा रहे शोर और शपथ लेने के बाद की जा रही नारेबाजी पर अध्यक्ष से शिकायत की तो सपा सांसद धर्मेन्द्र यादव ने उन्हें कहा कि अब आप सुनने की आदत डाल लीजिए।

भारत की संसदीय परंपराओं से वाकिफ लोगों को सदन में शपथग्रहण के वक्त लगाए गए नारों को देखकर थोड़ा अजीब लग रहा है और बहुत से लोग इसे ठीक नहीं मान रहे हैं। हालांकि विपक्ष इस नए अंदाज से भाजपा को यह संदेश दे रहा है कि वो लोकतंत्र की इस सबसे बड़ी पंचायत में किस तरह जनता की आवाज को मुखर करता रहेगा। बुधवार को जब ओम बिड़ला को ध्वनिमत से अध्यक्ष चुन लिया गया, तब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने उन्हें बधाई देते हुए यह उम्मीद जताई कि वे संविधान के अनुरूप काम करेंगे और इस सदन में विपक्ष की आवाज को दबने नहीं देंगे। पिछले दस बरसों में शूर्पणखा जैसी हंसी, बाथरूम में रेनकोट पहनकर नहाना, आंदोलनजीवी, एक अकेला सब पर भारी जैसे बयानों के अलावा, एक साथ सौ से अधिक सांसदों का निलंबन और विपक्षी सांसदों के भाषणों के दौरान माइक बंद करने जैसे कई कार्य हुए हैं, जिनसे असल में संसदीय परंपराएं और मर्यादा आहत हुई हैं। इस बार कम से कम संसद की शुरुआत संविधान की जयकार के साथ हुई है, तो उम्मीद बंधी है कि संविधान के साथ–साथ हम भारत के लोगों का अस्तित्व बना रहेगा, विपक्ष उसे बनाए रखेगा।

इंडिया ब्लाक के लिए अगले तीन महीने महत्वपूर्ण

लोकसभा चुनाव में मिली सीमित सफलताओं से विपक्ष के पास आराम करने का समय नहीं बचा है

लोकसभा चुनाव में मिली सीमित सफलताओं से विपक्ष के पास आराम करने का समय नहीं बचा है। राज्य विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इन चुनावों के नतीजे मोदी सरकार की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इस साल के अंत तक महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। इसके बाद 2025 में दिल्ली और बिहार में चुनाव होंगे। 24 जून को 18वीं लोकसभा का प्रथम सत्र शुरू हुआ, जिसमें तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी और एनडीए गठबंधन का नेतृत्व कर रही उनकी पार्टी भाजपा के लिए दो अशुभ संकेत मिले। पहला, देश के सभी क्षेत्रों के लाखों छात्रों से जुड़ी नीट परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने का बड़ा घोटाला और दूसरा अयोध्या में नये मंदिर की छत से पानी का रिसाव, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री ने इस साल 22 जनवरी को किया था। राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने उसी दिन शिकायत की, जिस दिन प्रधानमंत्री अपने भाजपा संसद सदस्यों को नयी सरकार के कार्यक्रम के बारे में संबोधित कर रहे थे।

विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए, पहला दिन भारतीय संविधान की प्रति लेकर मोदी सरकार की नीतियों के विरोध में प्रदर्शन के रूप में चिह्नित किया गया था क्योंकि संविधान की रक्षा 2024 के लोकसभा चुनावों में इंडिया के घटकों के चुनाव अभियान का मुख्य बिंदु था। मौजूदा सत्र में भी विपक्षी दल नरेंद्र मोदी शासन के पिछले दस वर्षों में हुए लोकतंत्र के पिछड़ने की प्रक्रिया को उलटने के लिए संघर्ष करेंगे। वास्तव में, संयुक्त विपक्ष के लिए, वर्तमान अवधि न केवल लोकसभा चुनावों में हासिल की गयी बढ़त को मजबूत करने के लिए बल्कि इंडिया ब्लॉक का विस्तार करने के लिए भी एक अच्छा समय है, जिसमें कुछ और राजनीतिक दल शामिल हैं जो 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद खुद को भाजपा से दूर कर रहे हैं, भले ही वे हाल के वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी का समर्थन करते थे।

तात्कालिक महत्व की पार्टी है ओडिशा का बीजू जनता दल (बीजेडी), जिसे 2024 के लोकसभा चुनावों में लोकसभा में कोई सीट नहीं मिली और विधानसभा चुनावों में भी भाजपा ने उसे हरा दिया। बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक ने चुनाव के बाद की स्थिति की गहन समीक्षा की है। उन्होंने भाजपा के साथ अपनी पिछली सहमति को खत्म करने का फैसला किया है और अपने नौ राज्यसभा सांसदों को विपक्ष के साथ समन्वय करने और नीतियों पर नरेंद्र मोदी सरकार से लड़ने का निर्देश दिया है।

यह इंडिया ब्लॉक के लिए एक सकारात्मक विकास है क्योंकि 2024 के चुनावों तक, नवीन पटनायक एनडीए के साथ समझ बनाये हुए थे, खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी पार्टी के साथ। बीजद ने महत्वपूर्ण विधेयकों पर सरकार के पक्ष में मतदान किया। लेकिन 24 जून को, बीजद सुप्रीमो ने अपने पिछले रुख से एक तेज बदलाव का संकेत दिया और राज्यसभा सदस्यों से एक मजबूत और जीवंत विपक्ष के रूप में काम करने के लिए कहा, जो केंद्र को सभी मुद्दों पर जवाबदेह बनायेगा। बीजद सुप्रीमो के रुख में यह बदलाव मौजूदा सत्र में राज्यसभा में विपक्ष के कामकाज पर असर डालेगा। राज्यसभा में बीजद के नौ सदस्य हैं। वर्तमान में, 245 सदस्यों वाले सदन में इंडिया ब्लॉक के 85 सदस्य हैं। यदि बीजेडी सदस्य इसमें शामिल होते हैं, तो यह संख्या 94 हो जायेगी।

इसके अलावा, वाईएसआरसीपी के पास राज्यसभा में 11 सदस्य हैं। वाईएसआरसीपी सुप्रीमो ने उनसे बात की है और उनसे भी इंडिया ब्लॉक के साथ सहयोग करने की उम्मीद है। उस स्थिति में, विपक्ष की ताकत 105 हो जायेगी। इससे वर्तमान राज्यसभा में विपक्ष की ताकत में काफी वृद्धि होगी। बीजेडी और वाईएसआरसीपी के सदस्यों ने पहले ही टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं से बात की है। टीएमसी सूत्रों का कहना है कि राज्यसभा में सीट रखने वाली कुछ और छोटी पार्टियां भी मौजूदा संसद सत्र में इंडिया ब्लॉक के साथ सहयोग करने में रुचि रखती हैं। कांग्रेस के बारे में कुछ मुद्दा है जिसे सुलझाना होगा। इंडिया ब्लॉक के बाहर की कुछ पार्टियों को राज्य से संबंधित मुद्दों के कारण अभी कांग्रेस से सीधे बात करने में संकोच है। इंडिया ब्लॉक टीएमसी और डीएमके जैसी किसी अन्य पार्टी के वरिष्ठ सदस्यों को उनसे बात करने के लिए नामित कर सकता है। विपक्ष का उद्देश्य नये क्षेत्रों में अपना आधार बढ़ाना होना चाहिए, ताकि भाजपा से बेहतर तरीके से मुकाबला किया जा सके।

लोकसभा चुनाव में मिली सीमित सफलताओं से विपक्ष के पास आराम करने का समय नहीं बचा है। राज्य विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं। इन चुनावों के नतीजे मोदी सरकार की स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण होंगे। इस साल के अंत तक महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने की उम्मीद है। इसके बाद 2025 में दिल्ली और बिहार में चुनाव होंगे। महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और बिहार में मजबूत विपक्षी गठबंधन होने के कारण चुनाव रणनीति पर काम करना होगा और चुनाव की तारीख से काफी पहले सीटों का बंटवारा पूरा करना होगा। चारों राज्यों में इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व वाली सरकारें चुनने की क्षमता है। दिल्ली में, विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन न होने पर भी आप पर भरोसा किया जा सकता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करेगी।

भाजपा की चुनावी हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थोड़े हताश हैं। लेकिन इंडिया ब्लॉक को भाजपा के लिए बदलाव लाने की उनकी क्षमता को कम नहीं आंकना चाहिए। प्रधानमंत्री की टीम ने पहले ही खामियों की पहचान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और राजनीतिक स्तर के साथ–साथ सरकारी स्तर पर भी सुधारात्मक उपाय करने का प्रस्ताव रखा है। उम्मीद है कि सरकार के कुछ उपाय जल्द ही सामने आयेंगे।

अगले महीने के आखिर में 2024–25 का बजट पेश किया जायेगा। नरेंद्र मोदी चुनावी और राजनीतिक रूप से थोड़े घायल हैं, लेकिन उनमें इस पर काबू पाने और मजबूत बनकर उभरने की अद्भुत शक्ति है। इंडिया ब्लॉक को यह बात ध्यान में रखनी होगी। इस तरह, अगले तीन महीने इंडिया ब्लॉक के लिए महत्वपूर्ण होने चाहिए। संसद में अन्य राजनीतिक दलों के साथ सहयोग के क्षेत्रों का विस्तार करने के अलावा, सदस्यों को इस साल 1 जुलाई से लागू होने वाले तीन आपराधिक कानूनों को वापस लेने के लिए जोरदार लड़ाई लड़नी होगी। संसद में होने वाली बहसों में चार श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को वापस लेने की मांग प्रमुखता से उठनी चाहिए। एमएसपी की कानूनी गारंटी सहित किसान आंदोलन की लंबित मांगों को उजागर किया जाना चाहिए। लेकिन सबसे ऊपर, रोजगार रहित विकास की वर्तमान आर्थिक नीति को उच्च रोजगार क्षमता वाले उद्योगों की स्थापना की नयी नीति के पक्ष में बदलने की बड़ी लड़ाई होनी चाहिए। 2024 के शेष महीनों के लिए विपक्ष के लिए कार्य निर्धारित हैं। इसका जवाब देना इंडिया ब्लॉक पर निर्भर है।

लोकसभा में विपक्ष के नये तेवर

ध्वनिमत के आधार पर 18वीं लोकसभा में बुधवार को अध्यक्ष पद पर एक बार फिर से ओम बिरला विराजमान हो गये हैं

ध्वनिमत के आधार पर 18वीं लोकसभा में बुधवार को अध्यक्ष पद पर एक बार फिर से ओम बिरला विराजमान हो गये हैं। निर्वाचन की बजाये सहमति में सत्तारुढ़ भारतीय जनता पार्टी ने जब रुचि नहीं दिखाई तो संयुक्त विपक्षी गठबन्धन इंडिया ने केरल के वरिष्ठ सांसद के. सुरेश से नामांकन तो भरवाया लेकिन बिरला की जीत को स्वीकार कर लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ नेता प्रतिपक्ष बने राहुल गांधी एवं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने उन्हें ससम्मान अध्यक्ष पद की आसंदी पर ले जाकर बिठाया। इस घटनाक्रम एवं तत्सम्बन्धी प्रक्रिया के दौरान लोकसभा में विपक्ष का बदला हुआ अंदाज़ स्पष्ट दिखा। इसने बतला दिया कि आने वाले समय में मोदी एवं उनकी सरकार को न केवल एक मजबूत व एकजुट बल्कि बेहतर रणनीति बनाकर आये हुए विपक्ष के साथ भिड़ना होगा। 2014 एवं 2019 की भांति कमजोर प्रतिरोध कम से कम इस लोकसभा में मोदी–भाजपा के नसीब में नहीं होने जा रहा है।

पहले सत्ता दल ने कोशिश की थी कि विपक्ष अपना उम्मीदवार खड़ा न करे। इसके लिये इंडिया के प्रतिनिधियों ने भाजपा व उसके नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस द्वारा अधिकृत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मंगलवार को मुलाकात कर प्रस्ताव रखा गया कि डिप्टी स्पीकर का पद विपक्ष को मिलना चाहिये। इस पर राजनाथ सिंह ने कहा कि वे इसके बारे में वे हाईकमान से चर्चा कर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को फोन करेंगे। वैसे उन्होंने यह भी आग्रह किया कि उपाध्यक्ष का मामला बाद में देखा जायेगा, पहले वे समर्थन घोषित करें। रात तक खरगे को इस बाबत कोई संदेश नहीं मिला तो के. सुरेश को उम्मीदवार बनाया गया। बुधवार सुबह तक भी राजनाथ सिंह ने कोई जवाब नहीं दिया तो साफ हो गया कि चुनाव होगा।

निर्धारित समयानुसार सुबह 11 बजे ध्वनिमत से बिरला को प्रोटेम अध्यक्ष भर्तृहरि मेहताब ने घोषित किया। जब उन्हें अध्यक्ष की कुर्सी तक लाया गया तो आदरपूर्वक मेहताब ने उन्हें पदभार सौंप दिया। यह तो पहले से तय था कि संख्या बल सत्ताधारी दल–गठबन्धन के साथ है फलतः बिरला की जीत तय है। इसलिये विपक्ष ने इस पर मतदान की कोई जोरदार मांग न कर बिरला की जीत स्वीकार कर ली। जब मेहताब ने मतदान की मांग को अस्वीकार कर दिया तो विपक्ष ने भी ज्यादा दबाव नहीं डाला। कहा जा सकता है कि इसके साथ ही सत्ता दल ने एक बाधा पार कर ली परन्तु सम्भवतः यह इंडिया की सोची–समझी चाल थी। प्रतीक स्वरूप प्रतिपक्ष ने अपना उम्मीदवार खड़ा किया, मतदान की हल्के स्वरों में मांग की और भाजपा–एनडीए के मुकाबले अपनी कम सदस्य संख्या को उजागर होने से बचा लिया।

कहने को तो अभी इंडिया मजबूत है लेकिन सांसदों–विधायकों की खरीद–फरोख्त में माहिर भाजपा को कोई भी ऐसी चाल चलने का अवसर नहीं छोड़ा गया जिससे इंडिया की कमजोरी दिख जाये। उसे एक संदेश देना था कि वह सत्ता पक्ष के किसी भी फैसले को अब आंख मूंदकर समर्थन नहीं देने जा रही है; और यह संदेश बहुत साफ शब्दों में चला गया। सम्भवतः यही कारण था कि आज मोदी एवं उनके मंत्री पिछली दो लोकसभाओं के मुकाबले कहीं अधिक विनम्र व शांत नज़र आ रहे थे। पीएम ने संसदीय परम्परा के अनुरूप बिरला से सम्मानपूर्वक हाथ मिलाया तथा 'कौन राहुल गांधी?' पूछने वाले मोदी का राहुल गांधी के प्रति रवैया अपेक्षाकृत मृदु दिखा। दोनों एक साथ जिस प्रकार बिरला को आसंदी तक ले गये वह बतलाता है कि 'एक अकेला मोदी सब पर भारी' अब नहीं रहा।

लोकसभा की बदली तासीर की झलक बाद में सदस्यों के भाषणों में भी दिखी जो बिरला के सम्मान में व्यक्त किये गये। पक्ष–विपक्ष दोनों ही तरफ़ के ज्यादातर सदस्यों ने संसदीय परम्परा व गरिमा को ख्याल में रखते हुए बिरला की प्रशंसा करते हुए उनसे निष्पक्ष रहने का भरोसा तो जताया, लेकिन अनेक विपक्षी सदस्यों ने दो बातों की ताकीद कर दी– एक तो यह कि अठारहवीं लोकसभा पहले जैसी नहीं है (उनका आशय विपक्ष की बढ़ी हुई ताकत से था), दूसरे, अनेक सदस्यों ने बिरला को ध्यान दिलाया कि अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने विपक्ष को बोलने का अवसर कम दिया। राहुल गांधी ने कहा कि सरकार की तरह विपक्ष भी जनता की आवाज़ होता है और इस बार जनता की आवाज़ बड़ी बनकर सदन में उपस्थित हुई है।

झमाझम बारिश में सीएम योगी ने की गोसेवा

गौशाला में पहुंच आवाज लगाई और दौड़े चले आए गंगा–गौरी

गोरखनाथ मंदिर में गोसेवा करते सीएम योगी –

गोरखपुर आए मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद बुधवार सुबह झमाझम बारिश के बीच मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने भीगने की परवाह न करते हुए गोशाला का भ्रमण कर गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से गुड़ खिलाया। गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन–पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मानसून की पहली झमाझम बारिश के बावजूद वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। सीएम योगी की आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते–मचलते हुए उनके पास आ गए। बारिश के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें रोटी और गुड़ खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

एमएमएमयूटी के नवीन कृष्ण राय बाल कल्याण समिति के सदस्य नामित

गोरखपुर। नवीन वर्तमान में आईआईएम इंदौर में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें न्यायिक, प्रशासनिक व पुलिस ट्रेनिंग एकेडमी में भी ट्रेनिंग सेशन लेने के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी) गोरखपुर के पूर्व छात्र नवीन कृष्ण राय को बस्ती जिले के जिला बाल कल्याण और संरक्षण समिति का सदस्य नामित किया गया है। गौरतलब है कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार की गाइडलाइन के अनुसार मिशन वात्सल्य योजना के सुचारू एवं सुगम क्रियान्वयन के लिए यह समिति जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कार्य करती है। इस समिति को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से मैनेजमेंट विषय के विशेषज्ञ नवीन कृष्णा राय को इसके विशेष आमंत्रित सदस्य के तौर पर नामित किया गया है। आपको बताते चले कि नवीन वर्तमान में आईआईएम इंदौर में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें न्यायिक, प्रशासनिक व पुलिस ट्रेनिंग एकेडमी में भी ट्रेनिंग सेशन लेने के लिए आमंत्रित किया जाता रहा है। वह लाइफ मैनेजमेंट, सेल्फ मैनेजमेंट, पीपुल मैनेजमेंट, डिसीजन मेकिंग आदि विषयों पर ट्रेनिंग प्रदान करते हैं। इसके अलावा वह कई प्रदेशों की विभिन्न सरकारी समितियों में सलाहकार के तौर पर भी शामिल हैं। उन समितियों में वह बाल कल्याण, सामाजिक न्याय, शहरी विकास, औद्योगिक विकास, पुलिस ट्रेनिंग, ई–गवर्नेंस व स्टार्ट–अप से सम्बन्धित विषयों पर अपनी सलाह प्रदान करते हैं।

जल्द साकार होगी योगानंद की जन्मस्थली को पर्यटन स्थल बनाने की योजना–

गोरखपुर । दुनियाभर में योग का प्रचार–प्रसार करने वाले योगगुरु परमहंस योगानंद (मुकुंद लाल घोष) की जन्मस्थली को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने की योजना अब धरातल पर उतरने जा रही है। प्रदेश कैबिनेट ने योगानंद मुफ्तीपुर, असकरगंज में जिस मकान में रहते थे उससे सटे कोतवाली थाना में पुरानी बैरक और छह आवास की जमीन को निशुल्क उपलब्ध कराने पर सहमति दे दी है। वहीं, 15 दिनों में जन्मस्थली वाले आवास की रजिस्ट्री कराने की तैयारी है। पर्यटन विभाग योगानंद से जुड़ी वस्तुओं को धरोहर के रूप में संरक्षित करेगा। इसके लिए करीब 50 करोड़ खर्च होंगे। पर्यटन विभाग को पहली किस्त 19 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

इस रकम को भवन और जमीन के मुआवजे पर खर्च किया जाएगा। भूमि आधिपत्य विभाग को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा मुफ्तीपुर, असकरगंज में जमींदारी क्षेत्र की बंजर जमीन पर बने थाना कोतवाली में एक बैरक और पांच–छह आवास की जमीन को निशुल्क दी जाएगी। इसे लेकर कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को मुहर लग गई।

दिसंबर 2023 में हुआ था सर्वे

प्रदेश सरकार के निर्देश पर प्रशासन ने दिसंबर 2023 में प्रशासन की टीम ने शहर के नखास चौक, कोतवाली के बगल में स्थित जिस मकान में पांच जनवरी 1893 को परमहंस योगानंद का जन्म हुआ था, उसका सर्वे कर प्रस्ताव तैयार किया था। योगानंद के पिता भगवती चरण घोष रेलवे में नौकरी करते थे। सपरिवार नवाब शेख अब्दुल रहीम उर्फ अच्छन बाबू के यहां किराए पर रहते थे। प्रस्ताव को स्वीकृत देते हुए शासन ने मार्च में ही मंजूरी दे दी और 19 करोड़ की पहली किस्त भी जारी कर दी।

कसिली फीडर पर संविदाकर्मी का शव रख परिजनों ने किया प्रदर्शन

गोरखपुर। अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजन माने। बताया जा रहा है कि संविदाकर्मी की हालत बिगड़ने पर परिजन उसे इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे। जहां रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। देवरिया क्षेत्र के कसिली–सतरांव विद्युत निगम कार्यालय पर गुरुवार को महुआबारी निवासी और संविदा लाइनमैन अजीत प्रसाद (42 वर्ष) पुत्र सुखदेव प्रसाद का शव रखकर परिजनों ने विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए हंगामा किया। कुछ देर के लिए आपूर्ति भी ठप कर दी गई थी। सूचना पर पहुंचे अधिकारियों के आश्वासन के बाद परिजन माने।

बरहज के महुआबारी निवासी अजीत प्रसाद का महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा था। अचानक तबीयत बिगड़ जाने के कारण चिकित्सकों ने उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां रास्ते में उनकी मौत हो गई। अजीत की मौत की जानकारी होने पर घर में कोहराम मच गया। लोग उनका शव लेकर उपखंड कार्यालय पर पहुंच गए। जहां विभागीय लापरवाही से हुई मौत का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन करने लगे। परिजन एसएसओ और अधिकारियों को कसूरवार ठहरा रहे थे। जानकारी होने पर एसडीएम अंगद यादव, सीओ आदित्य कुमार गौतम, एसडीओ–टू राधेश्याम चौहान, इंस्पेक्टर राहुल सिंह और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। करीब ढ़ाई घंटे तक मान–मनौव्वल के बाद परिजन माने। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है। अजीत कसिली विद्युत निगम कार्यालय में संविदा पर लाइनमैन का काम करते थे। लोगों के अनुसार वह नौ जून को शटडाउन लेकर परसियां भगवती में जंफर जोड़ रहे थे। इसी बीच आपूर्ति बहाल हो गई। जिससे वह बुरी तरह से झुलस गए थे। एसडीओ राधेश्याम चौहान ने बताया कि उच्चाधिकारियों से बात कर पत्नी को नौकरी दिलाने का प्रयास किया जाएगा। घटना की जांच कराई जाएगी।

परिवार का अकेला कमाऊ सदस्य थे अजीत

क्षेत्र के महुआबारी गांव निवासी और कसिली फीडर के संविदा लाइनमैन अजीत कुमार नौ जून को परसियां भगवती में जंफर जोड़ने के दौरान आपूर्ति बहाल हो जाने से झुलस गए थे। जिनकी गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। अजीत के मौत से पत्नी सीमा देवी दहाड़ें मारकर रोने लगी। जबकि बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है। लोगों के अनुसार अजीत परिवार के अकेले कमाऊ सदस्य थे।

जो किसी तरह परिवार का भरण–पोषण कर रहे थे। उनकी मौत से गांव और क्षेत्र में सन्नाटा पसर गया। घटना को लेकर सभी लापरवाही बरतने वालों को कोस रहे थे।

नेपाल में इस वजह से भूस्खलन, बुटवल– पोखरा और काठमांडू मार्ग बंद– उड़ान और लैंडिंग प्रभावित

महाराजगंज। पृथ्वी राजमार्ग के अंतर्गत पोखरा मेट्रोपॉलिटन सिटी चौथे में बाढ़ के कारण यातायात में समस्या उत्पन्न हो गई है। जिला पुलिस कार्यालय कास्की के अनुसार, बुधवार की सुबह राजमार्ग पर पानी भर गया। सड़क धंस गई है। इसके साथ ही बुटवल सिद्ध बाबा मंदिर के निकट पहाड़ों से पानी का बहाव तेज होने के कारण वाहनों को दोनों तरफ रोक दिया गया है।

रात में ही नारायणगढ़ मुगलिन सड़क खंड भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गया है। इच्छाकामना ग्रामीण नगर पालिका वार्ड नंबर छह जिला पुलिस कार्यालय चितवन के अनुसार जलबीरे में भूस्खलन होने के बाद सड़क अवरुद्ध है। रात 12:30 बजे भूस्खलन के कारण सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है।

पोखरा जाने और आने वाले वाहनों को दोनों तरफ रोक दिया गया है। इसी तरह नारायणगढ़ से मुगलिन जाने और आने वाले वाहनों को रोक दिया गया है। दोनों रास्तों में सैकड़ों भारतीय एवं नेपाली वाहन फंसे हैं।

पर्यटकों को निकालने के लिए नेपाल पुलिस लगी हुई है। बुधवार सुबह लगातार बारिश के कारण, चौथे में आनंद टोल घट्टेकुलो का जल प्रवाह बढ़ गया है और पृथ्वी राजमार्ग सड़क खंड में बाढ़ आ गई है।

बारिश के कारण बुटवल के विभिन्न हिस्से जलमग्न हो गए हैं। दोपहर तक भैरहवा हवाई अड्डे पर उड़ान और लैंडिंग प्रभावित है। बुधवार सुबह से हो रही बारिश के कारण रूपनदेही में कई स्थानों पर जलभराव है। लगातार बारिश के कारण गौतमबुद्ध हवाई अड्डे पर उड़ानें और लैंडिंग प्रभावित हुई हैं।

बुटवल का मुख्य बाजार क्षेत्र, मिलन चौक, कालिका नगर और हाईवे चौराहे पर जलभराव है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जल निकासी की आसान व्यवस्था ठीक नहीं होने के कारण इन जगहों पर पानी भर गया है। पाल्पा के विभिन्न स्थानों पर भी भारी बारिश हुई है।

पुलिस ने लगातार बारिश से तिनाउ नदी में बाढ़ का खतरा बताते हुए सतर्क रहने की अपील की। पोखरा पुलिस उपाधीक्षक बसंत कुमार शर्मा ने बताया कि उस स्थान से करीब 10 मीटर दूर सड़क के दाहिनी ओर करीब सात मीटर लंबा और करीब एक मीटर चौड़ा रास्ता है, जहां से यात्रियों को निकालने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सड़कों की मरम्मत कर यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

अंधविश्वास में इकलौती बेटी से बर्बरता

महिला बनी हैवान: शैतान का साया बताकर तीन साल की बच्ची के हाथ जलाए... तख्त पर पटका, थप्पड़ों से बुरी तरह पीटा

बरेली। एक तांत्रिक महिला ने तीन साल की बच्ची पर शैतानों का साया बताकर उसके साथ बर्बरता की। हालत गंभीर होने पर परिजनों को उसे ले जाने को कहा। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले रमियाबेहड़ ब्लॉक के ग्राम मिझरिया में अंधविश्वास में एक तांत्रिक महिला ने मासूम पर बहुत अत्याचार किया है। महिला ने शैतान का साया बताकर तीन साल की बच्ची के दोनों हथेलियों को कंडे के बीच रखकर जला दिया। इसके बाद थप्पड़ों से पीटा, फिर तख्त पर पटक दिया। इससे मासूम की हालत बिगड़ गई और वह बदहवास होकर गिर पड़ी। परिजन उसे निजी अस्पताल ले गए, जहां गंभीर हालत बता जिला अस्पताल भेज दिया है। परिजन तांत्रिक महिला के खिलाफ कार्रवाई कराने की बात कह रहे हैं। ग्राम मिझरिया निवासी संदीप राज की तीन वर्षीय पुत्री माही को कई दिनों से बुखार की शिकायत थी। वह उनकी इकलौती पुत्री है। परिजनों का कहना था कि कई डॉक्टरों से इलाज कराया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। बुखार के साथ ही माही को झटके आने लगे। मामला एक सप्ताह पुराना है।

ग्रामीणों के कहने पर माही के परिजन उसे पड़ोसी गांव अभयपुर स्थित एक मंदिर ले गए। जहां पर एक महिला तांत्रिक ने मासूम को देखने के बाद उस पर तीन शैतानों का साया बता दिया। माही की मां सुमन ने बताया कि तांत्रिक ने तंत्र–मंत्र से बच्ची को ठीक करने का दावा किया। महिला तांत्रिक ने पहले उसकी जमकर पिटाई की। इसके बाद कंड़े से कई बार हथेली जलाई। इसके बाद भी जब बुखार और झटके आने कम नहीं हुए तो उस महिला ने मासूम को कई बार तख्त पर भी पटका। हाथ जलाने और तख्त पर पटकने से मासूम बदहवास हो गई। माही के शरीर में किसी तरह की हरकत न होते देख तांत्रिक ने उसे घर ले जाने को कह दिया। रास्ते में ही माही की हालत और ज्यादा बिगड़ गई।

इसके बाद परिजनों ने माही का निजी अस्पताल में करीब पांच दिनों तक इलाज कराया। वहां कोई फायदा न होते देख चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल भेज दिया। जिला अस्पताल के डाक्टरों का कहना है कि मासूम पर किसी तरह का कोई साया नहीं है, बल्कि वह दिमागी बुखार से पीड़ित है। बच्ची की मां सुमन ने बताया कि अभी उसने इसकी सूचना पुलिस को नहीं दी है। हालांकि पीड़ित बच्ची की मां का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह पूरा घटना बताते हुए तांत्रिक महिला का जिक्र कर रही है। मामला अभी तक पुलिस तक नहीं पहुंचा है। इस बाबत थानाध्यक्ष पद्धुआ हरिकेश राय ने बताया, इस प्रकरण की कोई जानकारी नहीं है, यदि ऐसा कुछ हो रहा है तो संबंधित तांत्रिक पर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

100 राउंड तड़तड़ाईं गोलियां

बरेली बवाल: जिस होटल में हुई बदमाशों की पार्टी

उस पर चलेगा बुलडोजर, आरोपियों की संपत्ति का ब्योरा जुटाएगी टीम

बरेली। 22 जून को प्लॉट पर कब्जे को लेकर पीलीभीत बाइपास पर पुलिस की मौजूदगी में दो गुटों में करीब एक घंटे गोलीबारी हुई थी। इसके बाद से मुख्य आरोपी राजीव राना व उसके साथी फरार हैं। बरेली के पीलीभीत बाइपास पर हुए बवाल के मुख्य आरोपी राजीव राना के जिस सिटी स्टार होटल में बदमाशों ने पार्टी की थी, अब उस पर बुलडोजर चलेगा। यह होटल पार्क की जमीन पर बना है। मंगलवार को बीडीए की टीम ने पुलिस बल की मौजूदगी में बवाल के मुख्य आरोपी राजीव राना के घर, एक दुकान, सिटी स्टार व सीके वैली समेत तीन होटलों की पैमाइश की है। बताया जा रहा है कि अधिकांश निर्माण अवैध हैं। होटल सिटी स्टार के निर्माण में पार्क की जमीन दबा ली गई है। एक–दो दिन में आरोपी के सभी अवैध निर्माण को सील किया जाएगा। पार्क की जमीन पर बने सिटी स्टार होटल का ध्वस्तीकरण भी तय माना जा रहा है।

22 जून को प्लॉट पर कब्जे को लेकर पीलीभीत बाइपास पर पुलिस की मौजूदगी में दो गुटों में करीब एक घंटे गोलीबारी हुई थी। इसके बाद से मुख्य आरोपी राजीव राना व उसके साथी फरार हैं। पुलिस विभाग बरेली विकास प्राधिकरण की मदद से आरोपियों पर शिकंजा कस रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को बीडीए व पुलिस की संयुक्त टीम संजयनगर रोड स्थित स्टार सिटी होटल पहुंची। वहां पैमाइश की और ताले चेक किए। टीम ने सिटी स्टार नाम से ही राना के एक और होटल, सीके वैली होटल, उसके घर और संजयनगर की एक दुकान की पैमाइश की। यहां कुछ जगह पहले से ताले लगे थे तो कुछ जगह लगा दिए गए। वैध तरीके से सीलिंग की कार्रवाई नोटिस का जवाब आने के बाद करने की बात कही जा रही है।

निगम, राजस्व और बीडीए की संयुक्त टीम जुटाएगी आरोपियों की संपत्ति का ब्योरा

अब नगर निगम, राजस्व और बीडीए की संयुक्त टीम गोलीकांड के मुख्य आरोपियों की संपत्तियों का ब्योरा जुटाएगी। दरअसल, यह मामला अब तूल पकड़ने लगा है। जिला प्रशासन के पास पूर्व में राजीव राना से जुड़े कई मामलों की शिकायतें भी आई हैं। इसमें सीलिंग की जमीन की खरीद–फरोख्त के मामलों में राजीव राना के खिलाफ कई साक्ष्य भी दिए गए हैं। इसी को लेकर बीडीए समेत नगर निगम और लेखपालों की संयुक्त टीम राजीव राना और आदित्य उपाध्याय की संपत्तियों का ब्योरा जुटाने में लगी हैं।

बीडीए की टीम ने पैमाइश की है। कई अनियमितताएं सामने आई है। इसको लेकर प्रावधान के तहत हम संबंधित को नोटिस भेज रहे हैं। इसका संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। सब कुछ नियमों के मुताबिक ही होगा। –योगेंद्र कुमार, बीडीए सचिव

बीडीए की टीम के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में पैमाइश की गई। बीडीए विधिसम्मत तरीके से कार्रवाई करेगा। पुलिस पूरा सहयोग करेगी। अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। –अनीता चौहान, सीओ तृतीय

भाजपा–सपा–बसपा हर जगह घमासान

नेताओं की ये अदावत, वेस्ट यूपी में बड़े सियासी नुकसान को दे रही दावत

मेरठ। सियासी दिग्गजों की लड़ाई ने पश्चिमी यूपी की सियासत को बेरौनक कर दिया है। भाजपा में संगीत सोम और संजीव बालियान आमने–सामने हैं तो समाजवादी पार्टी में मेरठ से लोकसभा चुनाव की प्रत्याशी सुनीता वर्मा के पति योगेश वर्मा और सरधना से विधायक अतुल प्रधान भी एक दूसरे पर आरोप–प्रत्यारोप लगाने में जुटे हैं। वहीं भाजपा के दिग्गजों का घमासान गृह मंत्रालय तक पहुंच चुका है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में नेताओं की आपसी अदावत ने सियासत को बेरौनक कर दिया है। लोकसभा चुनाव में हार के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच रार छिड़ी हुई है। भाजपा, सपा और बसपा में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आरोप–प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। भाजपा में संगीत सोम और संजीव बालियान आमने–सामने हैं तो समाजवादी पार्टी में मेरठ से प्रत्याशी सुनीता वर्मा के पति योगेश वर्मा और सरधना से समाजवादी पार्टी के विधायक अतुल प्रधान के बीच तल्खी भी सामने आ चुकी है। बसपा प्रत्याशी भी अपने साथियों से खफा हैं। कुल मिलाकर इस लोकसभा चुनाव ने कई नेताओं की आपसी और अंदरूनी लड़ाई को बीच चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। मुजफ्फरनगर सीट पर हार के बाद भारतीय जनता पार्टी में पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान और सरधना से पूर्व विधायक संगीत सोम के बीच की लड़ाई सार्वजनिक हो चुकी है। दोनों एक–दूसरे पर जमकर हमला कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान भी ये बात देखने को मिली थी, जिसका खामियाजा संजीव बालियान को उठाना पड़ा। चुनाव के बाद दोनों के बीच का विवाद खुलकर सामने आ गया और दोनों नेता एक दूसरे पर कीचड़ उछालने लगे। खास बात यह है कि इस विवाद को खत्म करने की कोशिश अभी तक किसी ने नहीं की है और न ही किसी ने मध्यस्थता कराने का प्रयास किया है। अब संजीव बालियान ने संगीत सोम के घर पर हुई प्रेस कांफ्रेंस में पर्चा बांटकर जो उन पर आरोप लगाए गए थे, उसकी जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से कर दी है। इस लड़ाई का अंजाम क्या होता है, यह आने वाला समय बताएगा। ऐसा नहीं है कि इस सीट पर सिर्फ भाजपा में ही आपसी घमासान मचा है, यहां समाजवादी पार्टी के टिकट पर जीत हासिल करने वाले हरेंद्र मलिक और मेरठ के एक प्रभावशाली विधायक के बीच भी तल्खी देखने को मिल रही है। हरेंद्र मलिक का कहना है कि हमारी पार्टी के नेताओं ने अगर भितरघात न किया होता तो हमारा जीत का अंतर एक लाख से ऊपर का होता। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा कि कम से कम सरधना में संगीत सोम की नाराजगी का जितना नफा हुआ था, उसे पार्टी के कुछ नेताओं की भितरघात ने खत्म कर दिया। सरधना से समाजवादी पार्टी को संजीव बालियान के मुकाबले हरेंद्र मलिक को 45 वोट कम मिले थे।

मेरठ में सपा में भितरघात का लगा आरोप

मेरठ में समाजवादी पार्टी की हार मात्र 10535 वोटों से हुई। समाजवादी पार्टी के योगेश वर्मा की पत्नी सुनीता वर्मा को यहां से हार का सामना करना पड़ा। योगेश वर्मा का कहना था कि वह नाम लेकर किसी का कद नहीं बढ़ाना चाहते, लेकिन सब जानते हैं कि इस चुनाव में किसने साथ दिया और किसने साथ नहीं दिया। एक खास बिरादरी का वोट उन्हें नहीं मिला। दरअसल, यहां से पहले समाजवादी पार्टी ने भानु प्रताप सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया था। कहा गया कि भानु प्रताप सिंह का चुनाव उठ नहीं पा रहा है तो उनका टिकट काटकर अतुल प्रधान को दे दिया गया। इसी दौरान दलितों में विरोध शुरू हो गया कि अगर दलित का टिकट कटा है तो दलित को ही टिकट मिलना चाहिए। नामांकन के बिल्कुल अंतिम समय में समाजवादी पार्टी ने योगेश वर्मा की पत्नी व मेरठ की पूर्व मेयर सुनीता वर्मा को अपना प्रत्याशी बना दिया। इसे लेकर अतुल प्रधान ने नाराजगी जाहिर की। कहा जा रहा है कि गुर्जर समाज का जितना वोट समाजवादी पार्टी को मिलना चाहिए थे, वह नहीं मिला। इसी तरह हापुड़ के सपा के कुछ कार्यकर्ताओं ने किठौर से विधायक शाहिद मंजूर पर सुनीता वर्मा की हार का ठीकरा फोड़ा। हालांकि सपा उम्मीदवार सुनीता वर्मा और उनके पति ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया।

देवव्रत त्यागी ने भी अपनों से जताई थी नाराजगी

मेरठ में सबसे बुरा हाल बहुजन समाज पार्टी का हुआ। 2019 के चुनाव में 5 लाख 81 हजार वोट पाने वाली पार्टी इस चुनाव में 87 हजार वोटों पर सिमट गई। चुनाव के फौरन बाद ही बसपा प्रत्याशी देवव्रत त्यागी ने पार्टी के लोगों से अपेक्षित सहयोग न मिलने का आरोप लगाया था। इस चुनाव में बहुजन समाज पार्टी के नेता अपना बूथ तक नहीं जितवा सके। इसमें याकूब कुरैशी और मुनकाद अली दोनों के बूथ पर बसपा बुरी तरह से हार गई। कुल मिलाकर इस लड़ाई को संबंधित राजनैतिक दल ने समय रहते शांत नहीं किया तो आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में कम से मेरठ और उसके आसपास की सीटों पर प्रभाव जरूर पड़ेगा, जिसका खामियाजा किसी न किसी दल को उठाना पड़ेगा।

हड़ताल से सड़कों पर 650 मीट्रिक टन कूड़ा, बदबू से सांस लेना मुश्किल

वाराणसी। कर्मचारियों का आरोप है कि निगम प्रशासन वेतन जारी नहीं कर रहा है। कहा कि जब तक मांगें पूरी नहीं होती हैं, तब तक कोई भी कर्मचारी कार्य पर नहीं लौटेगा। अगर समय रहते कुछ नहीं किया गया तो आंदोलन उग्र हो सकता है। दो माह से वेतन नहीं मिलने से खफा नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को धनेसरा तालाब परिसर, भेलूपुर जलकल, बेनियाबाग में जोरदार प्रदर्शन किया। हड़ताल के दौरान सफाई कर्मचारियों ने नारेबाजी भी की। वहीं, शहर में कूड़ा नहीं उठने से सफाई व्यवस्था चरमरा गई।

सड़कों पर बीते मंगलवार को 650 मीट्रिक टन कूड़ा पड़ा रहा। लोगों का बदबू से सांस लेना भी मुश्किल हो गया। सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि कई बार अल्टीमेटम देने के बाद भी वेतन नहीं मिला तो मजबूर होकर प्रदर्शन करना पड़ा। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पीके शर्मा ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की समस्या का समाधान कराया जा रहा है। दोपहर बाद 150 मीट्रिक टन कूड़ा उठाया गया है। जबकि सफाई कर्मचारियों ने कहा कि आज कूड़ा नहीं उठाया गया है। आम दिनों में शहर से रोज 800 मीट्रिक टन कूड़ा निकलता है।

बोले अधिकारी

कूड़ा उठवाने के लिए कंपनी को भुगतान किया जा रहा है। इससे जुड़ीं फाइलें मंगाई गई हैं। सत्यापन कर जल्द भुगतान कर दिया जाएगा। दोपहर बाद शहर में कूड़ा उठवाया गया है। – अक्षत वर्मा, नगर आयुक्त

इन इलाकों से नहल्ल उठा कूड़ा

कच्ची बाग जैतपुरा, पीलीकोठी बलुआबीर, बहेलिया टोला, मछोदरी, पीलीकोठी, लहुराबीर, चेतगंज, औरंगाबाद, लक्सा, सोनिया, सिगरा, महमूरगंज, सुदंरपुर, नरिया, लंका, भेलूपुर, इंग्लिशिया लाइन, चौक, दशाश्वमेध, मंडुवाडीह, कचहरी।

112 द्वितीय

चरण के अंतर्गत उच्चीकृत पीआरवी के फ्लैग आफ एवं पुलिस कर्मियों को वातानुकूलित हेलमेट वितरण हेतु लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ।

पिछले 7 वर्षों में उत्तर प्रदेश पुलिस ने देश के अंदर न केवल अपनी नई पहचान बनाई है, बल्कि राज्य को भी एक नई पहचान दिलाने में महती भूमिका का निर्वहन किया है।

– नई दिल्ली

PM मोदी से मिलने पहुंचे दो खास मेहमान, प्रधानमंत्री ने दिया ये गिफ्ट

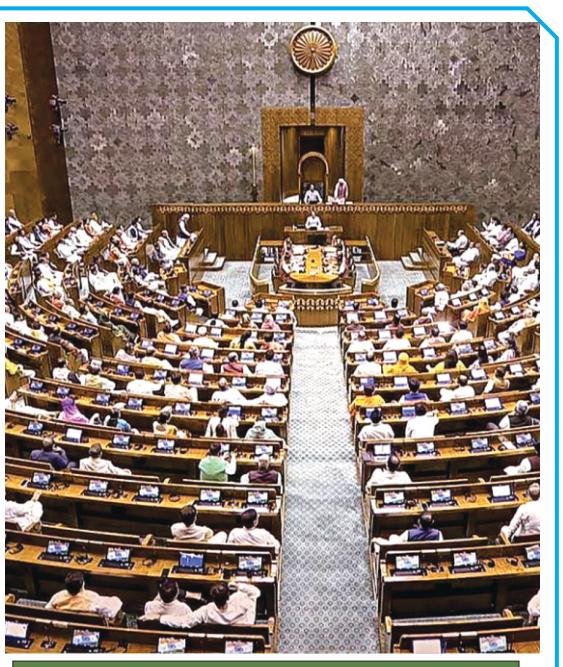

लोकसभा की सुन्दर तस्वीरें

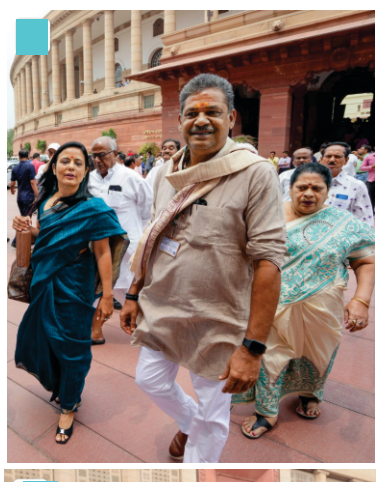

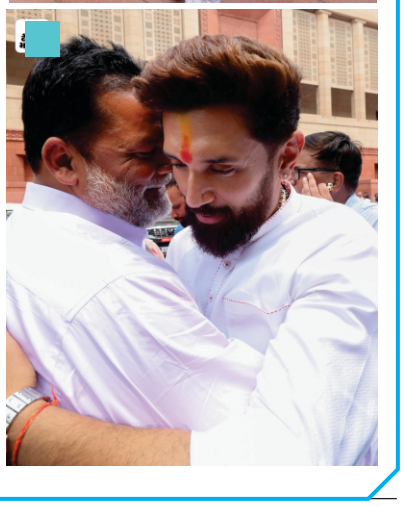

लखनऊ में राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार, उ.प्र. सरकार डा. दयाशंकर मिश्रा 'दयालु' ने शिष्टाचार भेंट की।

लोकसभा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण

18वीं लोकसभा के पहले संसद सत्र के चौथे दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण हुआ। 50 मिनट के भाषण में राष्ट्रपति ने हर मुद्दे पर बात की।

द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

हाल ही में कुछ परीक्षाओं में हुई पेपर लीक की जांच और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए मेरी सरकार प्रतिबद्ध है। पहले भी कई राज्यों में पेपर लीक की घटनाएं हुईं, इसके लिए दलगत राजनीति से ऊपर उठकर काम करने की जरूरत है। संसद ने भी इसके लिए कानून बनाया है।

द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

GST ने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। अप्रैल में GST कलेक्शन 2 लाख करोड़ का स्तर पार कर गया है। इससे राज्यों का भी विकास हुआ है।

द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

अब दंड की जगह न्याय को प्राथमिकता होगी। नए कानून से इस प्रक्रिया में तेजी आएगी। मेरी सरकार ने CAA के तहत शरणार्थियों को नागरिकता देना शुरू कर दिया है। मैं इन लोगों के बेहतर भविष्य की कामना करती हूं।

द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

मेरी सरकार देश के हर युवा को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का वातावरण दे रही है। ग्रुप डी और सी से इंटरव्यू खत्म किया है। युवाओं को भारतीय भाषाओं में इंजीनियरिंग की पढ़ाई का विकल्प दिया है।

राहुल के हाथों में दिखी इस किताब का लखनऊ से है कनेक्शन

बीते लोकसभा चुनाव में जिस एक शब्द ने चुनाव की धारा मोड़ी है वह संविधान है। राहुल गांधी सहित पूरे विपक्ष ने इस बात को चुनावी मुद्दा बनाया कि मोदी सरकार यदि चार सौ सीटें लेकर आती है तो वह संविधान बदल सकती है। नतीजे आपके सामने हैं। इस संविधान बदलने की बात कहने में राहुल गांधी के हाथों में एक किताब लगातार दिखती रही। फिर वह चाहे रैली में हों, प्रेस वार्ता में हों या फिर संसद में शपथ लेने के दौरान। उनके हाथ में जो किताब दिखी वह पॉकेट संविधान है। इस पॉकेट संविधान किताब का लखनऊ से सीधा कनेक्शन है। लखनऊ स्थित ईस्टर्न बुक कंपनी (ईबीसी) द्वारा प्रकाशित चमड़े के कवर वाली इस लाल किताब ने उस वक्त सुर्खियां बटोरीं, जब लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान विपक्ष के नेताओं खासकर राहुल गांधी ने रैलियों में अकसर इस पॉकेट संविधान को दिखाते हुए दावा किया कि अगर भाजपा सत्ता में लौटी तो वह संविधान में बदलाव करेगी। लालबाग स्थित ईस्टर्न बुक कंपनी के सेल्स अधिकारी सुधीर कुमार बताते हैं कि ईबीसी, संविधान के इस पॉकेट संस्करण का इकलौता प्रकाशक है। पिछले तीन महीनों में इसकी लगभग 5000 प्रतियां बिकी हैं। इसका पहला संस्करण साल 2009 में छापा गया था और तब से इसके 16 संस्करण प्रकाशित हो चुके हैं। इसकी प्रस्तावना पूर्व अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने लिखी है। आंखों में चमक लिए सुधीर कहते हैं कि यह सुंदर और गौरवशाली संविधान की किताब हर भारतीय की जेब में होनी चाहिए।

ईस्टर्न बुक ने कराया है आईपीआर

ईस्टर्न बुक कंपनी ने संविधान के इस पॉकेट संस्करण का बौद्धिक संपदा अधिकार सुरक्षित करा लिया है। जिसका मतलब है कि किताब के इस साइज, स्टाइल, कलर और फांट की नकल नहीं की जा सकती। सुधीर बताते हैं कि विदेश यात्राओं के दौरान भारतीय सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश अकसर आधिकारिक तौर पर अपनी कोट की जेब में संविधान का यह संस्करण रखते हैं। दुनिया भर के कई पुस्तकालयों में भी इसे रखा गया है। 624 पन्नों का संविधान का यह पॉकेट संस्करण 'बाइबिल पेपर' पर छपा है। पॉकेट साइज इस संविधान की लंबाई 20 सेमी और चौड़ाई 9 सेमी है।

एक्ट्रेस प्रणिता पंडित इन दिनों अपने परिवार और दोस्तों के साथ मालदीव में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं

मालदीव में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं एक्ट्रेस प्रणिता पंडित

मुंबई। एक्ट्रेस प्रणिता पंडित इन दिनों अपने परिवार और दोस्तों के साथ मालदीव में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। प्रणिता ने बताया कि उन्होंने वाटर स्पोर्ट्स, लजीज भोजन और स्नॉर्कलिंग का जमकर लुत्फ उठाया। शो 'कसम तेरे प्यार की' में काम करने के लिए मशहूर प्रणिता ने बताया, "अपनी यात्रा के दौरान, हमने वाटर स्पोर्ट्स और लजीज खाने का भरपूर आनंद लिया। एक खास यादगार पल शूटिंग और स्नॉर्कलिंग था। मेरी बेटी अनीशा पहली बार बेबी शार्क को देखकर रोमांचित थी और उसे यह बहुत पसंद आया। इस अनुभव ने हम सभी को एक–दूसरे के करीब ला दिया और यह हमारे परिवार के लिए यादगार पल बन गए। यात्रा पर आए अपने साथियों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा,"मैं उन दोस्तों के साथ यात्रा कर रही थी जो परिवार की तरह हैं, और इससे किसी भी यात्रा में एक खास स्पर्श जुड़ जाता है। मैं अपने परिवार और अपनी दोस्त शाइनी दोशी के साथ इस यात्रा पर थीं। उनकी मौजूदगी ने यात्रा को और भी मजेदार बना दिया है। ऐसे दोस्त ही सहयोग प्रदान करते हैं, नए अनुभवों की खुशियां शेयर करते हैं, जो इस बंधन को और मजबूत बनाता है।''

प्रणिता ने आगे कहा, "हमने मालदीव में पांच शानदार दिन बिताए हैं। मेरी बेटी अनीशा अब स्कूल में है इसलिए हमारी सारी छुट्टियां उसके शेड्यूल के इर्द–गिर्द घूमती हैं, जो हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव रहा है। हमारी छुट्टियां अब पहले से ज्यादा योजनाबद्ध और व्यवस्थित होती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि हम साथ में अपना ज्यादा से ज्यादा समय साथ बिता सकें और साथ ही उसका स्कूल भी ठीक से चलता रहे।''अभिनेत्री ने बताया कि मैं नियमित रूप से यात्रा करना पसंद करूंगी लेकिन परिवार के साथ यात्रा करने के लिए बेहतर योजना की आवश्यकता होती है। जबकि पहले यात्राएं अचानक बन जाती थी। परिवार के साथ यात्रा करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयारी की आवश्यकता होती है ताकि सभी के लिए एक सहज और सुखद अनुभव सुनिश्चित हो सके। प्रणिता पंडित ने 'दो हंसों का जोड़ा', 'कालीः एक अग्निपरीक्षा', 'कवच', 'जमाई राजा' और 'उतरन' जैसे शो में अभिनय किया है।

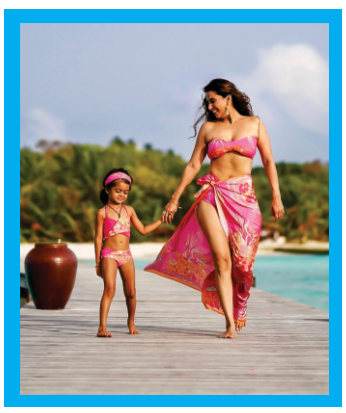

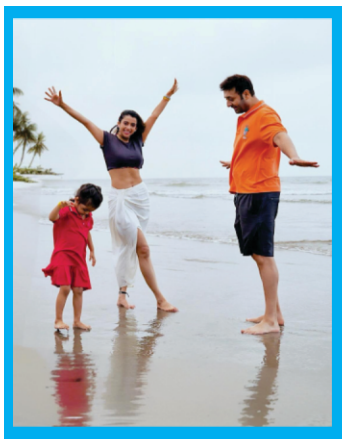

'महाराज' में 'सरप्राइज फैक्टर' कहलाना मेरे लिए खुशी की बात : शरवरी

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'महाराज' में एक्टर जुनैद खान के साथ काम कर रहीं एक्ट्रेस शरवरी ने कहा कि वह अपने आप को 'सरप्राइज फैक्टर' मानकर खुश हैं।

मुंबई। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'महाराज' में एक्टर जुनैद खान के साथ काम कर रहीं एक्ट्रेस शरवरी ने कहा कि वह अपने आप को 'सरप्राइज फैक्टर' मानकर खुश हैं। फिल्म में अतिथि भूमिका निभाने वाली शरवरी ने कहा, "मैं यह पढ़कर बहुत रोमांचित हूं कि लोग मुझे 'महाराज' का एक बड़ा 'सरप्राइज फैक्टर' कह रहे हैं।" एक कलाकार के तौर पर मैं अपनी हर भूमिका और फिल्म के जरिए दर्शकों पर एक खास प्रभाव डालना चाहती हूं, इसलिए मैं किसी फिल्म में 'सरप्राइज फैक्टर' होने के लिए सभी तारीफों को खुशी और विनम्रता से स्वीकार करूंगी। एक्ट्रेस ने कहा, ''इस बात का मतलब यह है कि मेरे प्रदर्शन ने एक बड़ा प्रभाव छोड़ा है। मैं हमेशा अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करती हूं। मैं अपनी हर फिल्म को कुछ बड़ा और बेहतर करने के तौर पर देखती हूं।''

'उड़ने की आशा' में अपने किरदार के लिए चलाना सीखी स्कूटी : वैशाली अरोड़ा

मुंबई। स्टार प्लस के पॉपुलर शो 'उड़ने की आशा' में कंवर ढिल्लों और नेहा हरसोरा की जोड़ी दर्शकों का काफी मनोरंजन कर रही है। हाल ही में शो में एक्ट्रेस वैशाली अरोड़ा शामिल हुई। उन्होंने अपने किरदार के बारे खुलकर बात की और बताया कि उन्होंने अपने रोल को पर्दे पर बेहतरीन ढंग से पेश करने के लिए स्कूटी चलाना सीखा। वैशाली ने कहा, ''शो में मैं रिया का किरदार निभा रही हूं, उसे स्कूटी चलाना आता है। ऐसे में मुझे स्कूटी चलाना सीखना पड़ा। मुझे पहले स्कूटी चलाना नहीं आता था, मैंने कई दिनों तक इसकी प्रैक्टिस की।''

अपने किरदार को निभाते समय आने वाली चुनौतियों के बारे में बात करते हुए वैशाली ने कहा, ''इस किरदार को निभाते समय मुझे सबसे बड़ी चुनौती यह थी कि रिया के किरदार को पर्दे पर उतारने के लिए क्या करना चाहिए, क्या नहीं। वह एक मजबूत इरादों वाली लड़की है। वह एक बुरी या नेगेटिव इंसान नहीं है। वह एक पॉजिटिव और अच्छी लड़की है।''उन्होंने आगे कहा, ''रिया जिस तरह से अपने विचार रखती है, उससे दूसरों को बुरा लग सकता है। मजबूत राय रखने और नेगेटिव दिखने के बीच बेहद बारीक अंतर होता है। यह मेरे लिए सबसे बड़ी चुनौती थी, खासकर शुरुआत में। अब, मैं किरदार में अच्छी तरह से घुल–मिल गई हूं, और यह अब मेरे लिए आसान है। रिया हालातों के अनुसार अपनी प्रतिक्रिया देती है। अब यह देखना बाकी है कि जब वह परेश और रेणुका के परिवार में शामिल होगी, तो क्या होगा।''शो में कंवर ढिल्लन ने सचिन का किरदार निभाया है, जो एक टैक्सी ड्राइवर है। वह शादी और प्यार में विश्वास नहीं करता। वहीं नेहा हरसोरा साइली की भूमिका में हैं, जो घर की जिम्मेदार बेटी है और उसके ख्वाब बेहद ऊंचे हैं। सीरियल में सचिन और साइली के रिश्ते और उनकी तालमेल की कहानी को दिखाया गया है।

प्लस के पापुलर शो 'उड़ने की आशा' में कंवर ढिल्लों और नेहा हरसोरा की जोड़ी दर्शकों का काफी मनोरंजन कर रही है। हाल ही में शो में एक्ट्रेस वैशाली अरोड़ा शामिल हुई

पायल का चौंकाने वाला खुलासा

अरमान मलिक की हरकत पर

बिग बॉस ओटीटी 3' के शुरू होते ही ये लोगों को पसंद आने लगा है। शो में जमकर ड्रामा शुरू हो चुका है। कंटेस्टेंट्स की तीखी बहस और उनकी पर्सनल लाइफ के खुलासों के कारण ये रिएलिटी शो लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। यूट्यूबर अरमान मलिक हो रहे हैं ट्रोल यूट्यूबर अरमान मलिक और उनकी दोनों पत्नियां पायल और कृतिका के इस शो में आने के बाद से सोशल मीडिया पर लोग उन्हें काफी ट्रोल कर रहे हैं। साथ ही घर में उनके खुलासों ने भी दर्शकों को चौंका दिया है। कृतिका मलिक को लेकर पायल का बड़ा खुलासा हाल ही में अरमान मलिक की पहली पत्नी पायल ने अपनी सौतन कृतिका मलिक से अपने पति की दूसरी शादी के बारे में खुलकर बात की और इस दौरान वह कैमरे के सामने फूट फूटकर रोने लगी थीं। 10 साल के बेटे के सामने यूट्यूबर अरमान मलिक ने की ऐसी हरकत, 2 पत्नियों के बाद कर ली तीसरी शादी, फिर जो हुआ.... 'पायल और अरमान ने अचानक कर ली शादी' 'बिग बॉस ओटीटी 3' के मेकर्स ने एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें पायल मलिक को अपने पति अरमान और कृतिका की शादी के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है। उस दिन को याद करते हुए पायल कहती है– कृतिका और अरमान एक साथ कहीं बाहर गए थे और शादी करने का फैसला कर लिया था। पति की दूसरी शादी पर पायल का बड़ा बयान पायल मलिक ने आगे कहा– अरमान मलिक और कृतिका शादी करके वापस आ गए थे। बाद में मुझे एक फोन आया जिसमें कुछ अच्छी खबर के बारे में हिंट दिया गया था। मैं तुरंत समझ गई कि अरमान और कृतिका ने शादी कर ली है। 'कृतिका और अरमान कहीं साथ में गए थे' पायल ने बताया– एक दिन मैं घर से बाहर थी और कृतिका और अरमान कहीं साथ में गए थे। इन्होनें बात की होगी आपस में कि शादी कर लेते हैं। इसके बाद मेरे पास अरमान का फोन आया और उन्होंने कहा– अरे पायल एक न खुशखबरी देनी है, मैं इनकी हर एक चीज समझती हूं मैंने कहा तुमने दूसरी शादी कर ली। घरवालों के सामने फूट–फूटकर रोई पायल इसके बाद मुनीषा खटवानी पायल से पूछती हैं कि क्या उसे बुरा नहीं लगता कि उसकी सबसे अच्छी दोस्त ने उसे धोखा दिया है। इसके तुरंत बाद पायल मलिक फूट–फूट कर रोने लगी जाती हैं। पायल के लिए आंसू रोकना मुश्किल हो गया था और वह सवाल का जवाब देने से पहले ही जोर जोर से रोने लगती है। अरमान मलिक ने पायल को समझायी ऐसी बात अरमान मलिक ये सब देख लेते हैं और तुरंत पायल को चुप कराने के लिए उसके पास पहुंचते हैं। वहीं कृतिका घरवालों को बताती है कि जब भी पायल शादी के बारे में किसी को बताती है तो वह हमेशा इमोशनल हो जाती है।

चैम्पियन इंडिया

T20WC 2007

T20WC 2024

T20 WC 2024

"हम कोहली की क्लास को समझते हैं। जब आप 15 साल की क्रिकेट खेल चुके हों, तो फॉर्म के अधिक मायने नहीं रह जाते हैं। संभवत: वह फाइनल के लिए बचा रहे हैं। एक टीम के रूप में हम शांत रहे हैं। फाइनल एक बड़ा मौका है, लेकिन स्थिर रहने से अच्छे निर्णय लेने में मदद मिलती है। मुझे लगता है कि आज हम स्थिर थे और हमने घबराहट नहीं दिखाई।

- कप्तान रोहित शर्मा

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार

मो. नं. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।